Peer Reviewed Journal
IPI Value (2.65)
ISSN 2454-2725

85
मई 2022

अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

जनकृति

JANKRITI

संपादक: डॉ. कुमार गौरव मिश्रा

www.jankriti.com

जनकृति

अंतरानुशासनिक पूर्व- समीक्षित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष 8, अंक 85 **मई 2022**

परामर्श मंडल

डॉ. सुधा ओम ढींगरा, प्रो. करुणाशंकर उपाध्याय, प्रो. रमा, डॉ. हरीश नवल, डॉ. हरीश अरोड़ा, डॉ. प्रेम जन्मेजय, डॉ. कैलाश कुमार मिश्रा, प्रो. शैलेन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. कपिल कुमार, प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव प्रो. रत्नेश विश्वक्सेन

संपादक

डॉ. कुमार गौरव मिश्रा
(सहायक प्रोफ़ेसर, झारखंड केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

सहायक संपादक

डॉ. पुनीत बिसारिया
(एसोसिएट प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश)

संपादन मण्डल/विशेषज्ञ समिति

डॉ. सदानन्द काशीनाथ भोसले (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ , महाराष्ट्र)
डॉ. दीपेन्द्र सिंह जाड़ेजा (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय, वड़ोदरा)
डॉ. नाम देव (प्रोफ़ेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. प्रज्ञा (प्रोफ़ेसर, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. रचना सिंह (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. रूपा सिंह (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, बाबु शोभा राम गोवेरमेंट आर्ट कॉलेज, राजस्थान)
डॉ. पल्लवी (सहायक प्रोफ़ेसर, तेजपूर विश्वविद्यालय, असम)
डॉ. मोहसिन खान (प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, जेएसएम कॉलेज, रायगढ़, महाराष्ट्र)
डॉ. अखिलेश कुमार शर्मा (सहायक प्रोफ़ेसर, मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम)
डॉ. प्रवीण कुमार (सहायक प्रोफ़ेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश)
डॉ. मुन्ना कुमार पाण्डेय (एसोसिएट प्रोफ़ेसर, सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी (सहायक प्रोफ़ेसर, जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ, राजस्थान)
डॉ. अंबिकेश त्रिपाठी (सहायक प्रोफ़ेसर, गांधी एवं शांति विभाग, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
डॉ. ज्ञान प्रकाश (सहायक प्रोफ़ेसर, बिहार)

संपादन सहयोग

श्री चन्दन कुमार (शोधार्थी, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा)
राकेश कुमार (शोधार्थी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

संस्थापक सदस्य

कविता सिंह चौहान (मुंबई)
डॉ. जैनेन्द्र कुमार (बिहार)

अंतरराष्ट्रीय सदस्य

प्रो. अरुण प्रकाश मिश्रा (स्लोवेनिया), डॉ. इंदु चंद्रा (फ़िजी), डॉ. सोनिया तनेजा (स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी), डॉ. अनिता कपूर (अमेरिका), राकेश माथुर (लंदन), रिद्या (श्री लंका), मीना चोपड़ा (कैनेडा), पूजा अनिल (स्पेन)

जनकृति अव्यवसायिक
मई 2022 अंक 85, वर्ष 8

सहयोग राशि : 60 रुपये (वर्तमान अंक)
150 रुपये (संस्थागत)

व्यक्तिगत सदस्यता : 800 रुपये (वार्षिक)
3000 रुपये (पंचवर्षीय)
5000 रुपये (आजीवन)

संस्थागत सदस्यता : 1200 रुपये (वार्षिक)
6000 रुपये (पंचवर्षीय)
10000 रुपये (आजीवन)

(डिजिटल प्रति सदस्यता)

बैंक खाता विवरण : Account holder's name- Kumar Gaurav Mishra
Bank name - Punjab National Bank
Account type – saving account
Account no. 7277000400001574
IFSC code- PUNB0727700

पत्र व्यवहार : फ्लैट- जी 2, बागेश्वरी अपार्टमेंट
आर्यापुरी, रातू रोड़, रांची, झारखंड
पिन कोड: 834001, संपर्क- +918805408656

नोट : प्रकाशित रचनाओं से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।
सम्पादन पूर्णतः अवैतनिक है।

ध्यानार्थ : अकादमिक क्षेत्र में शोध की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप जनकृति में शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। शोध आलेखों का चयन विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, जो विषय की नवीनता, मौलिकता, तथ्य इत्यादि के आधार पर चयन करते हैं। इसके अतिरिक्त पत्रिका में साहित्यिक रचनाएँ, वैचारिक लेख, साक्षात्कार एवं पुस्तक समीक्षा भी प्रकाशित होती है। जनकृति के माध्यम से हम सृजनात्मक, वैचारिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

JANKRITI
Interdisciplinary Peer-Reviewed Bilingual International Monthly Magazine
Editor: Dr. Kumar Gaurav Mishra
Language: Bilingual (Hindi & English)
Publisher: JANKRITI
ISSN: 2454-2725
Website: www.jankriti.com
Email: jankritipatrika@gmail.com

संपादकीय

आप सभी पाठकों के समक्ष जनकृति का मई 2022 अंक प्रस्तुत है। इस अंक में आप साहित्य, कला, इतिहास, संस्कृति इत्यादि क्षेत्रों के महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित शोध आलेख, लेख पढ़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त अंक में आप साहित्यिक रचनाएँ भी पढ़ सकते हैं।

जनकृति एक बहु-विषयक अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका है। यह पूर्ण रूप से विमर्श केन्द्रित पत्रिका है, जहां आप विभिन्न अनुशासन के नवीन विषयों को एकसाथ पढ़ सकते हैं। पत्रिका में एक ओर जहां साहित्य की विविध विधाओं में रचनाएँ प्रकाशित की जाती है वहीं नवीन विषयों पर लेख, शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। अकादमिक क्षेत्र में शोध की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शोध आलेख प्रकाशित किए जाते हैं। शोध आलेखों का चयन विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, जो विषय की नवीनता, मौलिकता, तथ्य इत्यादि के आधार पर चयन करते हैं। जनकृति के माध्यम से हम सृजनात्मक, वैचारिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है।

- **डॉ. कुमार गौरव मिश्रा**

जनकृति

अंतरानुशासनिक पूर्व- समीक्षित द्विभाषी अंतरराष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष 8, अंक 85 **मई 2022**

अनुक्रम

संपादकीय4

कला-विमर्श

स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी नाटक / डॉ. सतीश पावड़े 8

गाँधी चिंतन के परिप्रेक्ष्य में 'बकरी', 'गोडसे @ गाँधी.कॉम' और 'बापू कैद में' / चिप्पी एम आर 21

घासीराम कोतवाल नाटक में रंगमंचीयता / प्रियाँसी गुप्ता 32

मणिपुरी लोकनाट्य सुमांग लीला / हिदाम पिटर 40

कथक नृत्य में प्रयुक्त होने वाली गीत शैलियाँ / डॉ. मंजरी बख्शी 49

महान कला साधक 'स्व. श्री बाबूलाल जी पलवार' की विशिष्ट कला व 'तालबंदी गायन' शैली/ अमित पलवार 57

दलित एवं आदिवासी-विमर्श

दलित साहित्य: एक नई दुनिया की संभावना / धर्मवीर सिंह 61

'मेरा बचपन मेरे कन्धों पर': व्यवस्था के विरुद्ध एक बग़ावत / डॉ. मणिबेन पटेल 74

त्रिपुरा की रियांग जनजाति / वीरेन्द्र परमार 83

स्त्री-विमर्श

महिला कथाकारों की कलम से / प्रो. बीना जैन 92

अस्मत नहीं अस्मिता का प्रश्न विशेष सन्दर्भ- 'पापा मर चुके हैं', लेखिका-जयश्री रॉय / वर्षा चौधरी 107

समकालीन हिंदी कविता का आदिवासी स्त्री स्वर : निर्मला पुत्तुल की कविताएँ/ चेतन विष्णु खेलिया 121

अल्पसंख्यक-विमर्श

कुठाँव के बहाने / कहकशां 130

बाल-विमर्श

बाल अपराध का भारतीय परिदृश्य: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन / अरुणेश प्रताप सिंह 140

शिक्षा-विमर्श

शिक्षा के सार्वभौमीकरण में बालिकाओं को भी शिक्षा का अधिकार / अमित कुमार पाण्डेय 152

इतिहास

भारतीय नवजागरण और पाइक विद्रोह / पल्लिश्री आइच 161
भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में क्षेत्रीय-स्थानीय हितों की भूमिका / सूर्य प्रकाश दुबे 174

सामाजिक विज्ञान

सामाजिक उत्तरदायित्व के बदलते स्वरूप / आशुतोष पाण्डेय 193

साहित्यिक-विमर्श

हिंदी के प्रमुख 'रेखाचित्रों' में चित्रित 'संवेदना' के विविध आयामों का अध्ययन/ डॉ. विश्वजीत कुमार 201
हिंदी में लिखित प्रमुख महिला यात्रियों के यात्रा-वृत्तान्त: एक अध्ययन / बृजेश कुमार यादव 217
कथाकार की यात्रा-कथा: गोविन्द मिश्र के यात्रा-संस्मरण / डॉ. रेखा उप्रेती 238
कृष्ण नाथ का यात्रा साहित्य और पश्चिमोत्तर हिमालय का जनजातीय समाज / डॉ. स्नेह लता नेगी 251
अज्ञेय के यात्रा-वृत्तांतों में सांस्कृतिक दृष्टि: भारतीय यात्राओं के विशेष संदर्भ में / रज्जन प्रसाद शुक्ला, डॉ. जया द्विवेदी 263
बाढ़ सिंचितों की केस स्टडी 'कोसी के वटवृक्ष'/ अमन ऋषि साहू 276
कथात्मक गद्य साहित्य में प्रयुक्त चरित्र- चित्रण की प्रणालियाँ
(विशेष सन्दर्भ: जीवनी, उपन्यास और जीवनीपरक उपन्यास)/ नीरज तिवारी 289
अन्तस के पल का रथी : दिनकर की डायरी / मनोज शर्मा 303
हिंदी की व्यंग्य प्रधान ग़ज़ले / डॉ. जियाउर रहमान जाफरी 315
रामदरश मिश्र का आलोचनात्मक दृष्टिकोण / धनराज 324
समकालीन हिंदी कविता के मायने / डॉ. सत्यवन्त यादव 332
चित्रा मुदगल के उपन्यास 'गिलिगडु' में अभिव्यक्त 'वृद्ध विमर्श'/ ज्योति ढींगरा 341
कृष्णा सोबती के उपन्यास दिलो-दानिश में स्त्री / पारोमिता दास 350
उषा प्रियंवदा की कहानियों में पारिवारिक विघटन की मनोवैज्ञानिकता / डॉ. लेखा पी. 357
प्रेमचंद की कहानियां और स्वाधीनता आन्दोलन / डॉ. रामानुज यादव 363
फांस के संदर्भ में : किसान जीवन की दुर्दशा एवं विस्थापन / शेष कुमार 373
"युवा पीढ़ी का 'आखेट' करता दफ़्तरी परिवेश"/ ताराचंद कुमावत 379
आधुनिकता के आईने में वृद्ध / डॉ. रितु अहलावत 395
'उत्तर पूर्व' जैसा मैंने जाना / प्रदीप कुमार सिंह 404
रीतिकालीन कवि घनानंद के काव्य में 'प्रेम का स्वरूप'/ दीपाली 415
जैन-धर्म, गांधी-दर्शन एवं जैनेंद्रीय-दृष्टि : अहिंसा के परिप्रेक्ष्य में / डॉ. अनामिका जैन 429
नरेन्द्र कोहली की रामकथा में परिकल्पित प्रसंग / डॉ. एम. नारायण रेड्डी 438
भीष्म साहनी की कहानियाँ : पाठ की नयी संभावनाएं / डॉ०शशिभूषण मिश्र 454
सूरदास का काव्य: लोक जीवन के अनुभवों की रागात्मक परिणति / अनिल कुमार 464

प्रवासी साहित्य

नस्लभेद - प्रवासी जीवन के खुरदरे यथार्थ : प्रवासी हिंदी कहानी के परिप्रेक्ष्य में / श्रीना एस 476

आलेख

तोड़ती पत्थर : संवेदना और शिल्प (एक बैकबैंचर के नोट्स) / देवीलाल गोदारा 489

योग द्वारा कर्तव्यनिष्ठ अवस्था की ओर प्रस्थान: साधक और साध्य के मध्य एकाकार भाव की परिणिति / डॉ. अजय शुक्ला 497

धर्म एवं संस्कृति

DECIPHERING PRATYAKṢA IN THE LIGHT OFPRAMĀṆASAMUCCAYA/ Jayant Kumar 507

अनुवाद

हिंदी नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा दि रिड्ल ऑफ दि यूनिवर्स के हिन्दी अनुवाद का महत्त्व / व्योमकेश शर्मा 513

साक्षात्कार

ए.रामाचंद्रन की कला के विभिन्न चरण

सुप्रिया अंबर (सुप्रिया सिंह जादौन) की प्रयाग शुक्ल से बातचीत 523

कथाकार जयनंदन से चंद्रकांत की बातचीत 537

साहित्यिक रचनाएँ

कविता

सुशांत सुप्रिय, अजय सिंह रावत 557

कहानी

एक महिला क्रिकेटर की कहानी / सुप्रिया प्रभाकर जोशी 562

रिश्तों का मोल / श्यामल बिहारी महतो 567

लघुकथा

मात से शह / सविता मिश्रा 'अक्षजा' 580

उपन्यास अंश

आखिरी खेप की लगभग आखिरी कड़ी/ अनिता रश्मि 583

डायरी

'हंस' में मेरी कलाकृति और डिजिटल प्लेटफॉर्म/ सिद्धेश्वर प्रसाद 595

पुस्तक समीक्षा

पाठकों के मन मस्तिष्क पर अमिट छाप छोड़ने में सफल है – "संवेदनाओं के स्वर"/ समीक्षक: कुमार संदीप 600

बड़ी रेंज की कवितायें / समीक्षक: डॉ.चंद्रभान सिंह यादव 603